Some useful terms of Geographical Thought

(IN HINDI)

DR. SANJAY KUMARR

(MAHARAJA COLLEGE, ARA, BIHAR, INDIA)

क्षेत्रीय विभिन्नता की संकल्पना (Concept of Areal Differentiation)

क्षेत्रीय विभिन्नता की संकल्पना रिचथोफेन और हैटनर के द्वारा दिया गया है। जिसके अनुसार भूगोल पृथ्वी के क्षेत्रों का ज्ञान है और ये क्षेत्र एक - दूसरे से भिन्न होते हैं। कार्ल सावर ने 1925 में क्षेत्रीय भिन्नता शब्द का प्रयोग पहली बार किया था। क्षेत्रीय भिन्नता का तात्पर्य क्षेत्रों के अंदर से ना होकर क्षेत्रों की विविधता से है।

जेस्टाल्ट (Gestalt)

आंतरिक संबद्धता द्वारा क्षेत्र के विभिन्न भाग मिलकर एक इकाई बनाता है जो किसी एक प्रदेश की मिली - जुली छाप प्रस्तुत करता है। प्रदेश के इस रूप को जर्मन भाषा में जेस्टाल्ट कहा गया है। फ्रांसीसी भाषा में इसे एंसेंबल (ENSEMBLE) कहा जाता है।

क्षेत्र वर्णनी विज्ञान (Chorological Science)

रिचथोफेन और हैटनर के द्वारा प्रतिपादित क्षेत्र वर्णनी विज्ञान के अनुसार भूगोल में पृथ्वीतल की क्षेत्रीय विभिन्नताओं अथवा विविधताओं का अध्ययन किया जाता है।

लैंडशाफ्ट (Landschaft)

यह एक जर्मन विचारधारा है, जिसका अर्थ भूदृश्य की अपेक्षा अधिक व्यापक और विस्तृत है। Landschaft में प्रदेश के प्राकृतिक भूदृश्य के साथ उस प्रदेश का सांस्कृतिक भूदृश्य तथा मानवीय क्रियाकलाप भी शामिल होता है। लैंडशाफ्ट का अर्थ सादृश्य प्रदेश (Region with Appearance) होता है। यह शब्द Passarge ने 1913 में दिया था।

लाण्डरकुंडे (Landerkunde)

प्रादेशिक भौगोलिक अध्ययन के लिए राजनीतिक विभाजन के जगह पर प्राकृतिक प्रदेशों को अध्ययन का आधार माना गया है। रिटर ने अपने विचारधारा में प्रादेशिक अध्ययन के लिए लाण्डरकुंडे (Landerkunde) शब्द का प्रयोग किया। जिसका अर्थ प्राकृतिक प्रदेश होता है। यानी लाण्डरकुंडे में पृथ्वी तल के राजनीतिक विभागों के बजाय प्राकृतिक विभागों पर जोर दिया जाता है।

लेबेन्सराम (Lebensraum)

जर्मनी की नाजी पार्टी ने जर्मन लोगों को "रहने का स्थान" का नारा दिया था, जिसे लेबेन्सराम कहा गया।